देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंकः 207 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार-प्रवाह...
कन्नी काटते दल

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 20 नवंबर 2021

मौसम अधिकतम 23.0° न्यूनतम 13.0° | 40243.39 | 2 समझौतों का उल्लंघन क्यों किया | 7 नहीं दिखेगा मिस्टर 360 डिग्री का जलवा

झुकी सरकार, कृषि कानून वापस

पीएम मोदी ने देश के नाम संबोधन में कहा– अगले संसद सत्र में पूरी कर देंगे कानूनी प्रक्रिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों नए कृषि कानून वापस ले लिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यह बड़ा ऐलान देश के नाम अपने संबोधन में किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने नाराज किसानों को समझाने का हरसंभव प्रयास किया। कई मंचों से उनसे बातचीत हुई, लेकिन वो नहीं माने। इसलिए, अब तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला किया गया है। मोदी ने कहा, सभी देशवासियों को गुरु पर्व के पावन पर्व पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह समय किसी को भी दोष देने का नहीं है। आज मैं आपको, पूरे देश को यह बताने आया हूं कि हमने तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का निर्णय लिया है। इस महीने के अंत में शुरू होने जा रहे संसद सत्र में हम तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की संवैधानिक प्रक्रिया को पूरा कर देंगे। हम अपने प्रयासों के बावजूद कुछ किसानों को समझा नहीं पाए।

किसानों की स्थिति सुधारने के लिए लाए थे कानून

पीएम ने कहा कि किसानों की स्थिति सुधारने के लिए ही 3 कृषि कानून लाए गए थे। मकसद था कि किसानों को और ताकत मिले। उनको अपनी उपज बेचने का ज्यादा से ज्यादा विकल्प मिले। पहले भी कई सरकारों ने इसपर मंथन किया। इस बार भी संसद में चर्चा हुई, मंथन हुआ और ये कानून लाए गए।

आंदोलनकारियों से घर लौटने की अपीलः प्रधानमंत्री ने कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान करते हुए आंदोलनरत किसानों से अपने–अपने घर लौटने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, मैं आज अपने सभी आंदोलनरात किसान साथियों से आग्रह कर रहा हूं कि गुरुपर्व के पवित्र दिन आप अपने–अपने घर लौटें, अपने खेतों में लौटें, अपने परिवार के बीच लौटें। आइए, एक नई शुरुआत करते हैं। नए सिरे से आगे बढ़ते हैं।

भविष्य के खेती के लिए समिति का गठनः प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह जानकारी भी दी कि जीरो बजट खेती की तरफ प्रभावी कदम बनाने के लिए एक कमिटी के गठन का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा, आज ही सरकार ने कृषि क्षेत्र से जुड़ा एक और फैसला लिया है। जीरो बजट खेती, यानी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए, देश की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर, क्रॉप पैटर्न के वैज्ञानिक तरीके से बदलने के लिए, एमएसपी को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए, ऐसे सभी विषयों पर भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने के लिए एक कमिटी का गठन किया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने 5 दशक के अपने सार्वजनिक जीवन में किसानों की समस्याओं और चुनौतियों को काफी करीब से देखा है। जब देश ने 2014 में मुझे सेवा करना का मौका दिया तो हमने कृषि कल्याण को प्राथमिकता दी।

देशवासियों से माफी मांग

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर देशवासियों से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, साथियों, मैं देशवासियों से क्षमा मांगते हुए, सच्चे मन से और पवित्र हृदय से कहना चाहता हूं कि शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी जिसके कारण दिए के प्रकाश जैसा सत्य, कुछ किसान भाइयों को हम समझा नहीं पाए। पीएम ने कहा कि चूंकि सरकार हर प्रयास के बावजूद किसानों को समझा नहीं पाई, इसलिए कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला लिया गया है। पीएम ने कहा कि इसकी प्रक्रिया भी इसी संसद सत्र में पूरी कर दी जाएगी।

किसानों के लिए गिनाए अपनी सरकार का काम

पीएम ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिले इसके लिए कई कदम उठाए गए हैं। हमारी सरकार द्वारा की गई उपज की खरीद ने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए गए हैं। देश की 1000 से ज्यादा मंडियों को ई नाम योजना से जोड़कर हमने किसानों को कहीं पर भी अपनी उपज बेचने का एक प्लेटफॉर्म दिया। कृषि मंडियों के आधुनिकीकरण पर करोड़ों खर्च किए। देश का कृषि बजट पहले के मुकाबले 5 गुना बढ़ गया है। हर वर्ष सवा लाख करोड़ कृषि पर खर्च किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि आपदा के समय ज्यादा से ज्यादा किसानों को मुआवजा मिल सके इसके लिए नियम भी बदले।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना के 11 हजार से ज्यादा नए मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस से जंग अभी भी जारी है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में पिछले 24 घंटों में 11,106 नए कोविड–19 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 12,789 लोग ठीक हुए हैं। वहीं देश में एक दिन में 459 लोगों की मौतें भी हुई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को देश के कोविड–19 मामलों का आकड़ा पेश करते हुए बताया की देश में सक्रिय केसलोएड 1,26,620 हो गया है।

दिल्ली–एनसीआर में अब भी सांस लेना मुश्किल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली–एनसीआर मं वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार खतरनाक हो रही है। दिल्ली की हवा अब भी सांस लेने लायक नहीं है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में AQI& 332 दर्ज किया गया है, जो बेहद खराब श्रेणी में आता है।

अन्नदाता ने सत्याग्रह से अहंकार का सिर झुका दिया

कानून वापसी के बाद विपक्ष सरकार पर हमलावार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कृषि कानूनों की वापसी के बाद भी किसान आंदोलन जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तीनों नए कृषि कानून वापस ले लिए जिसके बाद सारा विपक्ष सरकार पर हमलावार हो गया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''देश के अन्नदाता ने सत्याग्रह से अहंकार का सिर झुका दिया। अन्याय के खिलाफ ये जीत मुबारक हो! जय हिंद, जय हिंद का किसान!''

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''आज मोदी जी और उनकी सरकार के अहंकार की हार का दिन है। आज किसान विरोधी भाजपा और उनके पूंजीपति मित्रों की हार का दिन है। खेती को बेचने के षड्यंत्र की हार का दिन है। आज किसान, मंडी, मजदूर और दुकानदार की जीत का दिन है। आज 700 किसानों की शहादत की जीत का दिन है।''

संयुक्त किसान मोर्चा ने मोदी की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि उनका आंदोलन केवल ''तीन काले कानूनों'' के खिलाफ नहीं था, बल्कि यह सभी कृषि उत्पादों और सभी किसानों के लिए लाभकारी मूल्य की वैधानिक गारंटी दिए जाने के लिए भी था। देश के करीब 40 किसान संगठनों के प्रतिनिधि समूह एसकेएम ने एक बयान में कहा, ''किसानों की महत्वपूर्ण मांग अब भी पूरी नहीं हुई है।'' उसने यह भी कहा कि एसकेएम घटनाक्रम का संज्ञान लेगा और जल्द ही बैठक कर आगे के निर्णयों की घोषणा करेगा।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि चुनाव में आसन्न हार को देखते हुए प्रधानमंत्री को सच्चाई समझ आने लगी है, लेकिन उनकी नीयत एवं बदलते रुख पर विश्वास करना मुश्किल है।

पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन से क्या हासिल नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की ओर से तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करना नीति में बदलाव और हृदय परिवर्तन से प्रेरित नहीं है। यह चुनावी डर से किया गया फैसला है।''

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, ''हर उस किसान को मेरी ओर से हार्दिक बधाई, जिसने अथक संघर्ष किया और भाजपा ने जिस क्रूरता से आपके साथ व्यवहार किया, उससे आप विचलित नहीं हुए। यह आपकी जीत है! उन सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जिन्होंने इस लड़ाई में अपने प्रियजनों को खो दिया।''

भारतीय सेना को अनमोल तोहफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

झांसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश को तोहफों की बौछार के क्रम में शुक्रवार को बुंदेलखंड का रुख किया। उन्होंने महोबा के बाद वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की धरती झांसी में सेना को मजबूती का आधार देने के साथ अटल एकता पार्क का लोकर्पण किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झांसी में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड में भारत डायनामिक्स लिमिटेड की रक्षा उपकरण इकाई एवं अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने अटल एकता पार्क का लोकार्पण किया।

इस दौरान उन्होंने झांसी के किले की प्रचीर राष्ट्रीय रक्षा समर्पण पर्व के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बड़ा योगदान करने वाली रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर झांसी में विकास की बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास तथा लोकार्पण किया। इस दौरान उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी थे। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, देश के रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट, गृह राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह तथा झांसी के सांसद अनुराग शर्मा भी मौजूद थे। इनके साथ रक्षा सचिव डा. अजय शंकर, सेना के सबसे बड़े अधिकारी सीडीएस जनरल विपिन कुमार रावत, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी व नौसेना प्रमुख एडमिरल कर्मवीर सिंह भी कार्यक्रम में थे। इससे पहले पीएम मोदी ने झांसी में दुर्ग की तलहटी का भी भ्रमण किया।

पीएम मोदी ने कहा कि महोबा में ही हमने देश की करोड़ों मुस्लिम बहनों को वादा किया था, तीन तलाक की परेशानी से मुक्ति दिलाकर रहूंगा। महोबा में किया वह वादा पूरा हो चुका है। महोबा की रैली में उन्होंन किसानों के नाम पर राजनीति करने वालों पर करारा हमला बोला।

लोकर्पण

■विपक्षी दलों पर महोबा की रैली में जोरदार हमला

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

कैसे होगी तीनों कानूनों की वापसी ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नवंबर के आखिरी सप्ताह से शुरू हो रहा है संसद सत्र

नई दिल्ली। देश का संविधान संसद और विधानमंडलों को कानून बनाने का अधिकार देता है। संविधान का अनुच्छेद 245 कहता है, इस संविधान के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बना सकेगी और किसी राज्य का विधानमंडल संपूर्ण राज्य या उसके किसी भाग के लिए विधि बना सकेगा। इसी अधिकार का उपयोग करके संसद कानून बनाती है।

ध्यान रहे कि संसद को कानून बनाने के साथ–साथ कानून वापस लेने का भी अधिकार है। संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवंबर से शुरू होकर 23 दिसंबर को खत्म होगा। अगर कोई कानून अपने उद्देश्य की पूर्ति में नाकाम रहता है तो इसे वापस ले लिया जाता है। अमूमन जब नया कानून बनता है तो उस विषय पर पुराने कानून को वापस लिया जाता है। नवंबर के आखिरी सप्ताह से संसद सत्र शुरू हो रहा है।

सरकार के लिए एक और मौका होगा संसद में यह बताने का कि उसने कृषि कानूनों का वापस लेने का फैसला क्यों किया?